

उपपत्ति पुं. (तत्.) समा. 1. विवाहित स्त्री का सर्वज्ञात प्रेमी जो उसका वैध पति नहीं होता 2. वह पुरुष जो किसी दूसरे की पत्नी से यौन संबंध बनाए रखे 3. पर-स्त्री से प्रेम करने वाला पुरुष, जार, यार paramour तुल. उपपत्नी।

उपपत्ति स्त्री. (तत्.) 1. गणि. गणितीय, विशेषकर ज्यामितीय प्रमेयों की सिद्धि 2. युक्ति, सिद्धि में युक्ति-प्रमाण देना proof 3. घटित होना, आविर्भाव 4. हेतु।

उपपत्नी स्त्री. (तत्.) समा. वह स्त्री जो किसी विवाहित पुरुष के साथ विवाह किए बिना ही रहे या सहवास करे, रखैल। concubine

उपपत्नीत्व पुं. (तत्.) समा. विवाहिता पत्नी न होते हुए भी पत्नी के समान रहने या भोगे जाने की स्थिति, रखैलपन। concubinage

उपपथ पुं. (तत्.) नगर में प्रवेश किए बिना एक स्थान से दूसरे स्थान को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग। by pass

उपपद पुं. (तत्.) 1. किसी शब्द से पूर्व प्रयुक्त शब्द 2. समास का पहला पद 3. उपाधि, पदवी 4. उपसर्ग, निपात आदि 5. अंग्रेजी का आर्टिकल a, an, the

उपपधान पुं. (तत्.) 1. वह वस्तु जिसका सहारा लिया जाए, तकिया 2. वह मंत्र-विशेष जिसे यज्ञ की वेदी की ईंट रखते समय पढ़ा जाता है।

उपपन्न वि. (तत्.) 1. शरण में आया हुआ, पास आया हुआ 2. प्राप्त, मिला हुआ 3. जुड़ा हुआ, लगा हुआ।

उपपात पुं. (तत्.) 1. आपदा 2. विनाश 3. आकस्मिक होने वाली घटना।

उपपातक पुं. (तत्.) 1. छोटा पाप (गोवध, गुरुत्याग), मातृत्याग, पितृत्याग, दारविक्रय, आत्मविक्रय, परदारगमन, पाखंड आदि 49 शास्त्रोक्त लघु पाप।

उपपादक वि. (तत्.) सिद्ध करने वाला, प्रकट करने वाला, घटित कराने वाला। demonstrator

उपपादन पुं. (तत्.) 1. सम्यक् प्रतिपादन, युक्ति देकर सिद्ध करना 2. संपादन।

उपपादनीय वि. (तत्.) 1. जिसे सिद्ध करना हो 2. सिद्ध किए जाने लायक।

उपपादित वि. (तत्.) 1. प्रमाणित, सिद्ध किया हुआ 2. पूरा किया हुआ 3. प्रदत्त 4. संपादित।

उपपाद्य वि. (तत्.) दे. उपपादनीय।

उपपीड़न पुं. (तत्.) 1. दबाने का कार्य 2. कष्ट देना 3. पीड़ा।

उपपुराण पुं. (तत्.) व्यास द्वारा रचित अठारह पुराणों से भिन्न अन्य गौण पुराण इनकी संख्या भी अठारह बताई जाती है जैसे- नारदीय पुराण।

उपपैरा पुं. (तत्.+अं.) किसी अनुच्छेद (पैराग्राफ) का छोटा अंश, उप-अनुच्छेद।

उपप्रधान पुं. (तत्.) 1. प्रधान के तुरंत बाद का (पद एवं अधिकार की दृष्टि से) पद 2. उक्त पद पर आसीन व्यक्ति।

उपप्रमेय पुं. (तत्.) गणि. किसी प्रमेय की उपपत्ति से सीधे प्राप्त होने वाला अन्य प्रमेय जिसे सिद्ध करने के लिए अलग से कोई तर्क देने की आवश्यकता नहीं होती corollary दे. प्रमेय।

उपप्रविष्टि स्त्री. (तत्.) पुस्त.,कोश. मुख्य प्रविष्टि से संबंधित वह अन्य प्रविष्टि जिसे मुख्य प्रविष्टि के अंतर्गत या सहायक प्रविष्टि के रूप में साथ-साथ रखा जाए।

उपप्रश्न पुं. (तत्.) मुख्य प्रश्न के अंतर्गत उत्पन्न होने वाला प्रश्न, गौण प्रश्न।

उपप्राण पुं. (तत्.) योग. शरीर में स्थित पाँच प्रकार की वायु (नाग, कूर्म, कृकर, देवदत्त और धनंजय) जिनके काम क्रमशः डकार लाना,